नईदुनिया

कुत्ते को बचाने के लिए 6 फीट लंबे मगरमच्छ के ऊपर कूदी महिला

फ्लोरिडा

फ्लोरिडा का मामला : शाम के समय कुत्ते के साथ टहलने निकली थी महिला

एक महिला ने अपने पालतू जानवर को मगरमच्छ के हमले से बचाने के लिए जान जोखिम में डाल दी। यह घटना उस वक्त हुई जब वह शाम की सैर पर निकली थी। टाम्पा की रहने वाली किम्बर्ली स्पेंसर स्कूल में टीचर हैं। वह अपने कुत्ते कोना के साथ वेस्टवुड लेक्स इलाके में स्थित तालाब के पास टहल रही थीं। इसी दौरान एक मगरमच्छ अचानक पानी से बाहर निकला और उन पर हमला कर दिया। वह 6.5 फीट लंबा रहा होगा। किम्बर्ली के मुताबिक मुझे हमेशा मगरमच्छों, सांपों और ऐसी चीजों से डर लगता रहा है। मैं प्रकृति प्रेमी नहीं हूं। लेकिन जब अपने कुत्ते की जान खतरे में देखी, तो मेरा डर गायब हो गया। मैं अपने कुत्ते के साथ टहल रही थी। मुझे कुछ भी चिंताजनक नहीं लगा। अचानक आवाज आई और 10 फीट की दूरी से मैंने उसकी आंखें देखीं। मैंने देखा कि मगरमच्छ तेजी से मेरी ओर बढ़ रहा है। मैंने कोना को खींचने की कोशिश की, मगर मगरमच्छ ने उसके सिर और ऊपरी शरीर को अपने जबड़ों में जकड़ लिया। किम्बर्ली ने बताया कि मगरमच्छ का मुंह खुला हुआ था। उसने मेरे कुत्ते कोना को जकड़ लिया था। मैं उसकी पीठ पर कूद गई और उसके जबड़े खोल दिए। इसके बाद मैंने मगरमच्छ का मुंह बंद कर दिया और उसे पकड़े रही। आखिरकार मगरमच्छ पानी में वापस चला गया। किम्बर्ली के दोनों हाथों में काटने के निशान पड़ गए हैं, लेकिन इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। कोना को पशु डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां उसके कंधे की चोटों में टांके लगाए गए। किम्बर्ली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वह ठीक हो जाएगा। मैं कभी उसे नुकसान नहीं होने दूंगी।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में भारतीय युवक की रोकलैंड टाउन में हत्या, आरोपी गिरफ्तार, भारतीय उच्चायोग ने घटना पर दुःख व्यक्त किया

ओटावा। कनाडा की राजधानी ओटावा के पास स्थित रॉकलैंड टाउन में एक भारतीय युवक की क्रूरता से हत्या कर दी गई। गुजरात के भावनगर से आये धर्मेश कथिरेया की अपने घर से निकलते वक्त हमलावर ने उन्हें चाकू से गोदकर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने पहले भी धर्मेश और उनकी पत्नी पर दिया था नस्लभेदी टिप्पणियां। धर्मेश का मृतक शरीर मिलने के बाद रेस्तरां ने शोक जताते हुए अस्थायी रूप से संचालन बंद कर दिया। भारतीय उच्चायोग ने घटना पर दुःख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को मदद का आश्वासन दिया। पुलिस ने हमलावर को हिरासत में लिया है और मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। धर्मेश ने एक साल पहले शादी की थी और वे नए जीवन की शुरुआत करने के लिए कनाडा आए थे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में धर्मेश की पत्नी की चीखें सुनाई दे रही हैं। ओंटारियो प्रांतीय पुलिस ने घटना को संभावित नस्लीय अपराध के तौर पर दर्ज किया है और वे इस मामले में गहराई से जाँच कर रहे हैं। आरोपी का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बच्चे के पेट में मिला एक और अधूरे रूप से विकसित भ्रूण

काबुल। दो महीने के एक बच्चे के पेट में सूजन देख उसके माता-पिता उसे डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर द्वारा बच्चे की जब जांच की गई तो जो सच्चाई सामने आई, तो सभी हैरान रह गए। दरअसल बच्चे के पेट में एक और अधूरे रूप से विकसित भ्रूण मौजूद था। शुरुआत में डॉक्टरों ने इसे विलम्स ट्यूमर समझकर इलाज शुरू किया, जो किडनी की बीमारी से जुड़ी एक समस्या होती है। लेकिन सीटी स्कैन करने के बाद असलियत पता चली। डॉक्टरों को बच्चे के पेट में सॉफ्ट टिशू, फैट और हड्डियां दिखीं। यहां तक कि रीढ़ की हड्डी और चेहरे की संरचना भी बनी हुई थी। गहन जांच के बाद डॉक्टरों ने पाया कि यह भ्रूण उसी बच्चे का जुड़वा भाई था, जो गर्भ के दौरान सही तरीके से विकसित नहीं हो पाया था। मेडिकल भाषा में इसे 'फीटस इन फिटु' कहा जाता है। यह एक दुर्लभ स्थिति होती है, जिसमें एक भ्रूण दूसरे भ्रूण के अंदर ही विकसित होने लगता है। दुनियाभर में अब तक ऐसे 200 से भी कम मामले सामने आए हैं। डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी करने का फैसला लिया और बच्चे को एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन किया गया। इस दौरान डॉक्टरों को भ्रूण की रीढ़ की हड्डी, चेहरे की हड्डियां, हाथ-पैर और यहां तक कि सिर पर बाल भी विकसित अवस्था में मिले। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब गर्भ में दो भ्रूण विकसित हो रहे होते हैं, लेकिन किसी कारणवश एक भ्रूण पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता और दूसरे भ्रूण के अंदर समा जाता है। जब बच्चा जन्म लेता है, तो यह अधूरे रूप से विकसित भ्रूण उसके शरीर के अंदर ही रह जाता है।

टैरिफ को लेकर सोमवार को अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू

तेल अवीव। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को लेकर अंतर्राष्ट्रीय जगत में खलबली का आलम है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका के व्हाइट हाउस आ सकते हैं। इसके लिए इजराइल सरकार ने तैयारी शुरू कर दी हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दो अप्रैल को अपने नए टैरिफ का ऐलान किया है। इसे लेकर कई देश खासा दवाब महसूस कर रहे हैं। उनमें इजराइल भी है। सूत्रों का दावा है कि दो इजराइली अधिकारियों व एक व्हाइट हाउस के अधिकारी ने संकेत दिए हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को टैरिफ के मुद्दे पर बात करने व्हाइट हाउस आ सकते हैं। उधर इजराइल के समाचार सेवा अरुत्ज का कहना हैं कि टैरिफ के ऐलान के बाद यह पहली बार होगा कि किसी देश के प्रमुख ट्रम्प से मिलने जाएंगे। साथ ही बातचीत से मुद्दे का हल तलाश करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिका ने 60 देशों पर नए टैरिफ की घोषणा की है।

ट्रंप ने यूक्रेनियों से कहा- एक हफ्ते में निकल जाओ, वरना..

वॉशिंगटन

अमेरिका में रह रहे यूक्रेनियों को तब झटका लगा, जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से उन्हें तत्काल प्रभाव में देश छोड़ देने का आदेश आया। अमेरिका में अस्थायी मानवीय वीज़ा के तहत रह रहे कई यूक्रेनी नागरिकों को इस सप्ताह एक ईमेल मिला, जिसमें उन्हें सात दिनों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया था। ईमेल में चेतावनी दी गई कि यदि वे देश नहीं छोड़ते, तो संघीय सरकार आपको ढूंढ निकालेगी। इस सख्त भाषा वाले संदेश से यूक्रेनी समुदाय में दहशत फैल गई।

इस संदेश से यूक्रेनी नागरिकों में खौफ फैल गया। एक महिला ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, मैं सांस नहीं ले पा रही थी और लगातार रो रही थी। मैं सोच रही थी कि मैंने क्या गलती की है, जबकि मेरा रिकॉर्ड साफ है - सोशल मीडिया पर भी कुछ नहीं पोस्ट करती। हालांकि अगले ही दिन अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने सफाई देते हुए कहा कि यह मेल गलती से भेजा गया था और यूक्रेनी पैरोल कार्यक्रम अभी भी जारी है। विभाग ने स्पष्ट किया कि उनके पैरोल की शर्तों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने बड़ी संख्या में यूक्रेनी नागरिकों को मानवीय आधार पर शरण दी है। लेकिन हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली प्रशासन की योजना सामने आई थी, जिसमें लगभग 2.4 लाख यूक्रेनी शरणार्थियों की अस्थायी वैध स्थिति समाप्त करने की बात कही गई थी। गलती से भेजे गए ईमेल में कहा गया था, यदि आप तुरंत अमेरिका नहीं छोड़ते हैं, तो आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आपको देश से निकाल दिया जाएगा

गाजा में यूएन कर्मियों को गोलियों से भूना, शवों संग दरिंदगी भी, हमले में 15 मेडिकल व आपातकालीन कर्मियों की मौत हुई थी

गाजा। गाजा के राफा क्षेत्र में 23 मार्च को हुआ एक दिल दहला देने वाला हमला अब अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। इस हमले में 15 मेडिकल व आपातकालीन कर्मियों की मौत हो गई थी, जिसके बाद उनके शवों को रेत में दफनाया गया। आईडीएफ ने पहले आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई का दावा किया था, लेकिन बाद में गलती स्वीकार की है। इसके बाद, वीडियो के आमने-सामने आने से हालात और भी उभरे हैं, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय स्थिति पर गंभीर चिंता जता रहा है। इस घटना ने सुरक्षित घाटी की सामाजिक चुप्पी को तोड़ दिया है और डोडा गेहराई में लोगों की आवाज उठने लगी है। फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट, संयुक्त राष्ट्र, और अन्य संगठनों के द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है, जो संभावना है कि इजरायली सेना की दावों पर पर्दा उठाएगी। आईडीएफ ने वादा किया है कि घटना की समग्र जांच की जाएगी ताकि सच्चाई सामने आ सके। यह घटना उस सच्चाई का पर्दाफाश किया है जो कई वर्षों से गाजा के क्षेत्र में चल रही है। जरूरत है कि सुरक्षित घाटी की जनता को न्याय और सुरक्षा की व्यवस्था मिले, और उनकी मानवीयता का सम्मान किया जाए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सहयोग करते हुए, इस घटना की पूरी और साक्षात्कारिक जांच की आवश्यकता है जो सच्चाई का पर्दाफाश करे।

मलेशिया में मिला खतरनाक बैक्टीरिया, लोगों के खून और लंग्स में इंफेक्शन कर रहा

लंदन

दहशत में वैज्ञानिक, एंटीबायोटिक दवाएं भी असर नहीं करती

मलेशिया में एक अस्पताल में मिले सुपरबग ने पूरी दुनिया में दशहत मचा दी है। यह एक खतरनाक बैक्टीरिया है, जिसकी वजह से लोगों के खून और लंग्स में इंफेक्शन हो रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह बैक्टीरिया एंटीबायोटिक रजिस्टेंट हो गया है और इसका इंफेक्शन होने पर एंटीबायोटिक दवाएं भी असर नहीं करती है। नई रिसर्च में पता चला है कि यह खतरनाक बैक्टीरिया दुनियाभर में लोगों के लिए खतरा बन सकता है। चिंता की बात यह है कि यह सुपरबग दुनिया के अधिकतर हिस्सों में मौजूद है और इसका खतरा कम पैसे वाले देशों में ज्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक टेरेंग्गानू स्थित अस्पताल में ए बाउमानी बैक्टीरिया का नया स्ट्रेन मिला है। यह दुनिया के अधिकांश हिस्सों में पाया जाता है और यह गंभीर इंफेक्शन का कारण होता है। वैज्ञानिकों ने 2011 से 2020 तक बैक्टीरिया के 126 सैंपल इकट्ठा किए थे, जिसके एनालिसिस में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। रिसर्च करने वाले जानकारों का कहना है कि ए बाउमानी स्ट्रेन कई एंटीबायोटिक्स के प्रति रजिस्टेंट है। इस इंफेक्शन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मुख्य दवाएं कार्बापेनेम्स भी इस पर काम नहीं कर रही हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार इस खतरनाक बैक्टीरिया के इंफेक्शन को रोकना और असरदार ट्रीटमेंट डेवलप करना बेहद जरूरी है। ए बाउमानी लगातार नए प्रतिरोध तंत्र विकसित कर रहा है, जिससे कई देशों को इस वायरस को ट्रैक करना भी मुश्किल हो रहा है। शोधकर्ताओं के अनुसार स्टडी से स्पष्ट होता है कि ए बाउमानी बैक्टीरिया का खतरनाक स्ट्रेन अस्पतालों में फैलता जा रहा है। इसके बावजूद कम और मध्यम आय वाले देशों से ए बाउमानी पर बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। इस बैक्टीरिया को लगातार ट्रैक करना बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिकों के अनुसार ए बाउमानी बैक्टीरिया खून, फेफड़ों, यूरिनरी ट्रैक्ट और घावों में संक्रमण पैदा कर सकता है। यह संक्रमण आमतौर पर अस्पतालों जैसी स्वास्थ्य देखभाल वाली जगहों में पाया जाता है।

भारतीय मूल के जज अमेरिका में गिरफ्तार

भारतूय मूल के जज केपी जार्ज को अमेरिका में गिरफ्तार करने की खबर है। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। उधर जार्ज ने इसे राजनीतिक साजिश करार बताते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया। मामला अमेरिका के टेक्सास राज्य के फोर्ट बेंड काउंटी का है। डिस्ट्रिक्ट अटार्नी के मुताबिक भारतीय मूल के जार्ज पर कथित तौर पर 30 हजार से 1.5 लाख डालर की मनी लांड्रिंग का आरोप है। इसके अलावा उन पर वायर फ्राड और चुनावी फंडिंग में गड़बड़ी के भी कथित आरोप लगे हैं। उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल 20 हजार डालर की जमानत पर रिहा कर दिया गया है। अमेरिकी कानूनों के मुताबिक यदि वह दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें दस साल की कैद हो सकती है। केपी जार्ज 2018 से काउंटी जज के पद पर कार्यरत हैं।

5 माह से था सिर में दर्द फिर दिखना हो गया बंद, घबराकर पहुंचा अस्पताल

डॉक्टरों ने सिटी स्कैन किया तो रह गए हैरान, अब वीडियो हो रहा वायरल

वियतनाम

सोशल मीडिया पर एक अजीब खबर सुनकर लोग हैरान है। मामला कुछ ऐसा है कि वियतनाम में एक 35 साल के व्यक्ति को 5 महीने से सिर में तेज दर्द था। इससे बचने के लिए वह दर्द की दवाई खाता रहा, लेकिन धीरे-धीरे उसके आंखों की रौशनी कम होने लगी और उसे दिखना बंद हो गया।

इस दौरान उसकी नाक से पानी जैसा पदार्थ बहने लगा। उसे समझ नहीं आ रहा था कि ये सब क्यों हो रहा है। वह डर गया और अस्पताल पहुंचा, लेकिन जब वह अस्पताल पहुंचा तो जो सच सामने आया, उसे सुनकर सब हैरान रह गए।

सिटी स्कैन रिपोर्ट देखकर उसे पांच महीने पुरानी वह घटना याद आ गई, जिसकी वजह से ये सबकुछ हो रहा था। दरअसल, सिटी स्कैन में दिखा कि उसके दिमाग में एक जोड़ी चॉपस्टिक्स फंसी हुई थी, जो उसकी नाक से होते हुए दिमाग तक चली गई थी। अस्पताल ने व्यक्ति के नाम का खुलासा नहीं किया है, डॉक्टरों को बताया कि उसे 5 महीने से सिर में दर्द हो रहा था। आंखों से दिखना बंद हो गया था और नाक से कुछ तरल पदार्थ बह रहा था। डॉक्टरों को सीटी स्कैन से पता चला कि उसके दिमाग में हवा भर रही थी, जिसे टेंशन न्यूमोसेफालस कहते हैं। ये एक खतरनाक बीमारी है। साथ ही, स्कैन में दो अजीब चीजें दिखीं, जो उसकी नाक से दिमाग तक जा रही थी।

डॉक्टरों ने गौर से देखा तो पता चला कि ये टूटी हुई चॉपस्टिक्स थी।

सोशल मीडिया पर व्यक्ति के साथ घटित इस विचित्र घटना तेजी से वायरल हो रही है। हालांकि, जब इस मामले की जांच हुई तो पाया कि ये घटना साल 2023 की है। उस दौरान अस्पताल में डॉक्टरों ने उससे पूछा कि ये चॉपस्टिक्स उसके दिमाग में कैसे पहुंची उसे 5 महीने पहले की घटना याद आ गई।

शहबाज की सांसें अटकीं आर्मी की ब्रेन फैक्ट्री में दस्तक देंगे बलूच बिद्रोही

कराची

क्वेटा में पाकिस्तानी सेना का प्रमुख कमांड सेंटर और मिलिट्री बेस है। यहीं पर क्वेटा स्टाफ कॉलेज भी है, जिसे पाकिस्तान आर्मी की 'ब्रेन फैक्ट्री' कहा जाता है। यहीं पर सेना बलूच विद्रोहियों पर हमले की रणनीति बनाती है। अगर यहां बलूच विद्रोही पहुंच गए तो तबाही के सिवा कुछ नहीं मिलेगा। बलूच विद्रोहियों की प्रमुख पार्टी बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल के अध्यक्ष सरदार अख्तर मेंगल ने 6 अप्रैल को क्वेटा की ओर कूच करने का ऐलान किया है। उनका मकसद महरंग बलोच समेत बंद कार्यकर्ताओं को छुड़ाना है।

इस ऐलान ने शहबाज सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी है। बीएनपी-मेंगल के चीफ सरदार अख्तर मेंगल ने कहा, हम अब विद्रोहियों को और रौंदने नहीं देंगे। पाकिस्तानी सेना और सरकार हमारे नेताओं को निशाना बना रही है। हम ये बर्दाश्त नहीं कर सकते और अब आरपार की जंग होगी। हाल ही में महरंग बलूच समेत कई बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और जबरन गायब करने की घटनाओं ने बलूच समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है। मेंगल ने कहा, क्वेटा तक मार्च हमारा हक है। अब हमारी आवाज सेना के गढ़ में गूंजेगी। अगर वे हमें रोकेंगे, तो यह उनकी क्रूरता का सबूत होगा। यह कूच वाध से शुरू होकर क्वेटा तक जाएगा, जिसमें हजारों बलूच प्रदर्शनकारी शामिल हो सकते हैं। क्वेटा न केवल बलूचिस्तान की राजधानी है, बल्कि पाकिस्तानी सेना का रणनीतिक केंद्र भी है। यहां स्थित मिलिट्री बेस और कमांड सेंटर से बलूच विद्रोह को दबाने की योजनाएं बनती हैं। अगर बीएनपी-मेंगल और बलूच विद्रोही क्वेटा तक पहुंचते हैं, तो यह सेना की साख और कंट्रोल पर बड़ा सवाल खड़ा करेगा। जाफर एक्सप्रेस हाईजैकिंग के बाद सेना पहले ही दबाव में है। विशेषज्ञों का मानना है कि क्वेटा में प्रदर्शन सेना के लिए 'घर में घुसकर चुनौती' जैसा होगा। एक सैन्य विश्लेषक ने कहा, अगर बलूच विद्रोही क्वेटा में भीड़ जुटाने में कामयाब रहे, तो यह सेना की विफलता का प्रतीक बनेगा। अगर 6 अप्रैल को क्वेटा कूच होता है, तो इसके दो नतीजे हो सकते हैं। पहला, सेना बल प्रयोग करके प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश करेगी, जिससे हिंसा भड़क सकती है और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे सशस्त्र समूह सक्रिय हो सकते हैं। दूसरा, अगर प्रदर्शनकारी क्वेटा पहुंच गए, तो यह बलूच आंदोलन की बड़ी जीत होगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस ओर आकर्षित होगा। बलूचिस्तान में पहले से ही तनाव चरम पर है।